Date :17-03-2021

Titre : Les Piques au supplice……….

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|  | ♠ | D1032 |
|  | ♥ | V1096 |
|  | ♦ | 952 |
|  | ♣ | A7 |
| ♠ |  |  |  |  |  | ♠ |  |
|  | N |  |
| ♥ |  |  | ♥ |  |
| O |  | E |
| ♦ |  |  | ♦ |  |
|  | S |  |
| ♣ |  |  | ♣ |  |
|  |  |  |
|  | ♠ | R7 |
|  | ♥ | ARD5432 |
|  | ♦ | RV |
|  | ♣ | 83 |

 |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Donneur: | OUEST |  |  |
| Vuln:TS |  |  |  |
| SUD | OUEST | NORD | EST |
|  | 1P | P | P |
|  |  |  |  |
|
| 4C | P | P | P |
|
|  |  |  |  |
|
|  |  |  |  |
|
| Entame: ♠♥♦♣ |

 |

Commentaires :

EST n’a pas soutenu l’ouvreur et donc à l’abordage pas de fioriture on annonce le contrat qu’on a envie de jouer avec cette très belle main : 4C ; le mort s’étale bonne pioche………..

OUEST entame du R de T que bien sur vous laissez passer pour couper les communications au cas ou EST aurait le V10 par exemple…….ce qui est le cas sur le R de T, EST met le V…

OUEST rejoue atout à vous………….